Maa Jwala Devi Ki Aarti PDF

ॐ जय ज्वाला माई, मैय्या जय ज्वाला माई।
कष्ट हरण तेरा अर्चन, सुमिरण सुख दाई॥1।
ॐ जय ज्वाला माई...

मैय्या जय ज्वाला माई, मैय्या जय ज्वाला माई।
कष्ट हरण तेरा अर्चन, सुमिरण सुख दाई॥2।
ॐ जय ज्वाला माई...

अटल अखंड तेरी ज्योति, युग युग से ही जगे।
ऋषि मुनि सुर नर सबको, बड़ी प्यारी माँ लागे॥3।
ॐ जय ज्वाला माई...

पार्वती रूप शिव शक्ति, तू ही माँ अम्बे।
पूजे तुम्हे त्रिभुवन के, देवता जगदम्बे॥4।
ॐ जय ज्वाला माई...

लाखों सूरज फीके, ज्योति तेरी आगे।
तेरे चिंतन से माँ, भवका भय भागे॥5।
ॐ जय ज्वाला माई...

चरण शरण में चल के, जो तेरे द्वारे आये।
खाली कभी न जाए, वांछित फल पाए॥6।
ॐ जय ज्वाला माई...

दुर्गति नाशक चंडिका, तू दानव दलनी।
दिन हिन् की रक्षक तू ही सुख करनी॥7।
ॐ जय ज्वाला माई...

आठों सिद्धियाँ तेरे, द्वार भरे पानी।
दान माँ तुझसे लेते, बड़े बड़े महादानी॥8।
ॐ जय ज्वाला माई...

चरण कमल तेरी धोकर, ध्यानु ने रस था पिया।
तेरी धुन में खोकर, शीश तेरे भेंट किया॥9।
ॐ जय ज्वाला माई...

भक्तों के काज असंभव, संभव तू करती।
सुख रत्नों से सबकी, झोलियाँ तू भरती॥10।
ॐ जय ज्वाला माई...

धुप दीप पुष्पों से, होए तेरा अभिषेक।
तेरे दर रंक को राजा, बनते हुए देखा॥11।
ॐ जय ज्वाला माई...

अष्ट भुजी सिंह वाहिनी, तू माँ रुद्राणी।
धन वैभव यश देना, हमको महारानी॥12।
ॐ जय ज्वाला माई...

ज्योति बुझाने आये, राजे अभिमानी।

हार गए वो तुमसे, मूढ़ मति अज्ञानी॥13।
ॐ जय ज्वाला माई...

माई ज्वाला तेरी आरती, श्रद्धा से जो गाये।
वो निर्दोष उपासक, भव से तर जाए॥14।
ॐ जय ज्वाला माई...

ॐ जय ज्वाला माई, मैय्या जय ज्वाला माई।
कष्ट हरण तेरा अर्चन, सुमिरण सुखदायी॥15।
ॐ जय ज्वाला माई...